RNI No: DELMUL/2012/47011

17 नवंबर, 2026 मंगलवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 229

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय 05

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

- सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार



नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनजीं मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

- इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती

गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।



यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए



नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।

केंद्र सरकार के सामने महिला आरक्षण-परिसीमन पर समर्थन जुटाने की चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में विचार रही है, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत से 15 से 18 वोट अधिक जुटा लेगी।

इस बार परिस्थितियां केंद्र सरकार के लिए बदली है। विपक्ष ने अप्रैल में एकजुट होकर सरकार के प्रस्ताव को रोक दिया था और एनडीए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव) के सांसदों के पाला बदलने के बाद लोकसभा में संख्याबल बदल गया है। डीएमके के इंडिया ब्लॉक से अलग होने के बाद विपक्षी खेमे की संख्या भी घटी है। इसके बावजूद सरकार के सामने संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है। लोकसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक, एनडीए के खेमे में कुल 321 सांसद हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें टीएमसी के बागी 20 सांसद, शिवसेना के 13 सांसद भी शामिल हैं। इस तरह एनडीए का संख्याबल 321 तक पहुंच गया है।

हालांकि, इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं, जो सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करते। इंडिया गठबंधन की लोकसभा में संख्या पहले 232 थी, जो अब घटकर 183 रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के अलग होने के बाद उसके आठ सांसद बचे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने के बाद उसके तीन सांसद रह गए हैं। श्रीनगर के सांसद के इस्तीफे के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व भी घटा है। तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन के बाद 22 लोकसभा सांसद वाली डीएमके भी इंडिया ब्लॉक से अलग है। इन बदलावों के बाद लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का संख्याबल 183 रह गया है। अप्रैल 2026 में संविधान संशोधन विधेयक पर हुए मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया था। सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

सरकार के लिए सबसे अहम भूमिका उन 36 सासदों की हो सकती है जो न एनडीए में है और न ही इंडिया ब्लॉक में। इनमें डीएमके के 22 सांसद वाईएसआर कांग्रेस के चार, आम आदमी पार्टी के तीन, अकाली दल, झेडपीएम, एएसपी और एआईएमआईएम के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय शामिल है। इनमें डीएमके का रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा। पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग जरूर हो गई है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर उसका सरकार के साथ आना आसान नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद के मुताबिक 36 बिना खेमे वाले सांसदों में 28 इस बिल के विरोध में वोट कर सकते है। उम्मीद है कि डीएमके के 22, आप के 3, झेडपीएम, एआईएमआईएम, एएसपी के एक-एक सांसद भी है जो बिल के विरोध में वोट कर सकते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में तीन दिन का विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को 15-18 वोटों के अतर से पारित कराने का दावा किया है। याद दिलाया कि सरकार को 50 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। राज्यसभा में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, उच्च सदन में एनडीए के पास 155 सांसदों का समर्थन है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 161 सदस्यों की जरूरत होगी। यानी सरकार यहां महज छह सांसद पीछे है। छह सासदों का समर्थन जुटाना सरकार के लिए लोकसभा के मुकाबले कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित कराना अनिवार्य है।

मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर



नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी



प्रहलाद सबनानी

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को 'बीमारु' राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (जस्ष्ठक्क) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से



दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। राजस्थान भी 10 वर्ष पूर्व ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या को कम करने में सफल रहा है। सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज उत्तर प्रदेश, देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। राजस्थान 6ठे स्थान पर, मध्य प्रदेश 10वें स्थान पर एवं बिहार 14वें स्थान पर आ गए हैं।

हाल ही के समय में उक्त चारों राज्यों में आर्थिक विकास ने कुछ गति जरूर पकड़ी है परंतु यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि इन चारों राज्यों की तुलना में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली आदि राज्य तुलनात्मक रूप से बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं बिहार को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्योग जगत के लिए मित्रवत नीतियों को बनाकर औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को इन राज्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि इन राज्यों में कृषि के क्षेत्र पर दबाव कम हो एवं उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों का योगदान न केवल सकल घरेलू उत्पाद में बल्कि रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में भी बढ़े।

आज, उक्त चारों राज्य ÷बीमारु÷ राज्य की श्रेणी से तो बाहर निकल आए हैं, परंतु भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु अपने योगदान को बढ़ाने के लिए इन राज्यों को विशेष प्रयास करने होंगे। इन राज्यों के नागरिकों को आगे आने वाले कुछ वर्षों तक केवल अपने प्रदेश के आर्थिक विकास पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। इन राज्यों में विभिन्न समाजों को विशेष प्रयास करते हुए, प्रदेश में किसी भी प्रकार का आंदोलन नहीं होने देना चाहिए। दरअसल, भारत आज विकास के उस चक्र में पहुंच गया है, जहां किसी भी प्रकार का आंदोलन देश के आर्थिक विकास की गति को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। अतः समाज की सज्जन शक्ति को इस ओर विशेष ध्यान देकर समस्त समाज के नागरिकों को अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत करते हुए प्रदेश में शांति स्थापित करने के प्रयास तेज करने की आवश्यकता है। प्रदेश की सरकारें तो आर्थिक नीतियों को लागू करने के प्रयास कर ही रही हैं परंतु, समाज को भी संगठित होकर अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करने की महती आवश्यकता है। प्रदेश का आर्थिक विकास की गति को बढ़ाना, अर्थात मां भारती को पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ करने की ओर एक कदम बढ़ाने का प्रयास माना जाना चाहिए। आज उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात द्वारा अपने प्रदेश की अर्थव्यवस्था के आकार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर ले जाने के भरपूर प्रयास किया जा रहे हैं। इसी प्रकार के प्रयास, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं बिहार राज्यों द्वारा भी किए जाने चाहिए, ताकि शीघ्र ही भारत की अर्थव्यवस्था के आकार को 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर लाया जा सके एवं भारत की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।

निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

चिंतन-मनन

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत



कांतिलाल मांडोत

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है। दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है। भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता



कुमार कृष्णन

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं।

संक्षिप्त डायरी

एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी घोषित

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। एडवोकेट एंड डीड राइटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की आम सभा बैठक सेक्टर गामा दो स्थित उप-निबंधक कार्यालय परिसर में हुई। अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष कुलदीप भाटी एडवोकेट ने की, जबकि संचालन सचिव गिर्राज सिंह चपराना एडवोकेट ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से 17 सदस्यों की एल्डर कमेटी का गठन किया गया, जिसकी बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की निर्विरोध घोषणा की गई। नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र सिंह भाटी को अध्यक्ष, मोहित भाटी एवं रोहित शर्मा को उपाध्यक्ष, राज कुमार बैसला को सचिव, राजेश भाटी को सह सचिव,परवेज (गुड्डू) चौधरी को कोषाध्यक्ष, श्वेता सहाय सक्सेना को सांस्कृतिक सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर रोहतास नागर, राष्ट्रीय संयोजक पद पर कुलदीप भाटी और विधिक सलाहकार पद पर गिर्राज चपराना का नाम घोषित किया गया है। इस मौके पर एल्डर कमेटी के सदस्य जगबीर सिंह बैसला, जयवीर सिंह भाटी, रामवीर नागर, नवीन चौधरी, अरुण जैन, सत्यवीर सिंह (प्रधान), पीयूष गुप्ता, मोनू रांधव, अरविन्द भाटी और देवेन्द्र सक्सेना सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रेनो में यूपीसीडा के सेक्टरों में बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के औद्योगिक सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं को और अधिक बेहतर किया जाएगा। करीब 27.82 करोड़ रुपये की लागत से जरूरी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। दो सेक्टरों में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्लूडब्लूटीपी) का निर्माण किया जा रहा है, जो नए साल में चालू हो जाएगा। अधिकारी के मुताबिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र के तैयार होने से सेक्टर साइट - 5, साइट बी और निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क (ईपीआईपी) के उद्यमियों के साथ-साथ आसपास की सोसाइटियों के निवासियों को भी राहत मिलेगी। औद्योगिक सेक्टर साइट-5 स्थित ईपीआईपी में डब्लूडब्लूटीपी न होने से गंदा पानी नालियों और सड़कों पर बहता रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए यहां 3.6 एमएलडी क्षमता का संयंत्र बनाया जा रहा है। इस पर 9 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके साथ ही फुटपाथ का निर्माण भी कराया जाएगा। वहीं, सूरजपुर साइट-बी में 6 एमएलडी क्षमता का दूसरा संयंत्र बनाया जा रहा है। दोनों परियोजनाओं का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक काम हो गया है। नए साल तक दोनों संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य है। इनके चालू होने से औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी के निस्तारण में मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्रों में धूल प्रदूषण को कम करने के लिए साइट-बी और साइट-सी की मुख्य सड़कों के किनारे इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। टाइल्स लगने से सड़क किनारे मिट्टी और धूल फैलने पर रोक लगेगी। साथ ही व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी, जिससे सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने पड़ेंगे। इसके अलावा सैक्टर साइट-5 की जर्जर सड़कों को दोबारा बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अन्य विकास कार्य और पानी का पुनः उपयोग औद्योगिक इकाइयों में उपयोग किया गया पानी पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसको पुनः उपयोग में लाने के लिए दो अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा सड़कों की मरम्मत, फुटपाथ समेत अन्य विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

भूखंड के नाम पर 48 लाख रुपये ऐंठे

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। भूखंड बेचने का झांसा देकर 48 लाख रुपये हड़पने और उसी जमीन का दूसरे व्यक्ति के नाम सौदा करने का मामला सामने आया है। फरीदाबाद के दो लोगों ने ग्रेटर नोएडा निवासी एक व्यक्ति को यमुना प्राधिकरण से आवंटित 230 वर्ग मीटर का भूखंड बेचने के नाम पर रकम ली, लेकिन न तो रजिस्ट्री कराई और न ही पैसे लौटाए। पीड़ित की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से सेक्टर-20 थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। तुस्याना गांव निवासी कपिल भाटी वर्ष 2025 में भूखंड खरीदने की तलाश में थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फरीदाबाद के बल्लभगढ़ स्थित तिरखा कॉलोनी निवासी कमलेश और संदीप भाटी से हुई। दोनों ने उन्हें नोएडा के सेक्टर-18 में बातचीत के लिए बुलाया। उन्हें बताया गया कि यमुना प्राधिकरण ने उनकी जमीन अधिग्रहित की थी। इसके बदले अछेजा गांव में 230 वर्ग मीटर का प्लॉट आवंटित हुआ है, जिसे वे बेचना चाहते हैं। 11 जुलाई 2025 को दोनों पक्षों के बीच 55 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद कपिल ने अलग-अलग किस्तों में आरोपियों को 48 लाख रुपये दे दिए। शेष रकम रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी।पीड़ित को भरोसा था कि जल्द ही भूखंड उसके नाम हो जाएगा, लेकिन आरोपियों ने तय समय बीतने के बाद भी बैनामा नहीं कराया। इसी बीच कपिल को जानकारी मिली कि जिस भूखंड के लिए उन्होंने लाखों रुपये दिए हैं, उसे आरोपियों ने किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है। इसके बाद उन्होंने दोनों से संपर्क कर अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि पैसे लौटाने के बजाय आरोपियों ने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस लेनदेन और भूखंड के आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक और चाकू संग दो नाबालिग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। फेस-3 थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक पर सवार दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो चाकू बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम सेक्टर-71 के सर्विस रोड पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। एक की उम्र 15 जबकि दूसरे की उम्र 16 साल है। एक आरोपी बुलंदशहर का जबकि दूसरा गौतमबुद्धनगर का निवासी है। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक-एक चाकू बरामद हुआ। जांच में मोटरसाइकिल भी चोरी की निकली। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने दो-तीन दिन पहले गाजियाबाद के चोरोपुर गांव से बाइक चोरी की थी। उसकी नंबर प्लेट तोड़कर फेंक दी थी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की है। दोनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया

एजेंसी

नोएडा। विकास भवन सभागार में रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाई गई। साथ ही महाराष्ट्र में आयोजित प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। इस दौरान सीडीओ भाल चंद्र त्रिपाठी ने भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय योगदान, संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को स्मरण करते हुए जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराया। अन्य सरकारी कार्यालयों में भी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भगवान बिरसा मुंडा एवं अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया गया।

निदेशक की नियुक्ति में अटका जीबीयू का एआई सेंटर, 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा

एजेंसी

नोएडा। जीबीयू में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। निदेशक की नियुक्ति नहीं होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नई सुविधाएं देने के उद्देश्य से गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार एआई सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। सेंटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसके शुभारंभ की तैयारी भी शुरू है, लेकिन निदेशक की नियुक्ति नहीं



होने के कारण पूरा प्रोजेक्ट अटका हुआ है। नतीजतन, करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस सेंटर का लाभ अभी तक विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नहीं मिल पा रहा है। 2024 में प्रदेश सरकार की ओर से बजट का एलान किया गया था। दो साल बीतने के बाद भी अब तक सेंटर शुरू नहीं हो सका है। विश्वविद्यालय में तैयार इस सेंटर को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस और तकनीकी शोध के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां सुपर कंप्यूटर के साथ नई और पुरानी पीढ़ी के अत्याधुनिक कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रोजेक्ट, शोध और नवाचार से जुड़ी गतिविधियां कर सकेंगे। हालांकि एक बार की प्रकिया हो चुकी है। उसमें योग्य डायरेक्टर नहीं मिल सका है। अब दूसरे चरण में फिर से डायरेक्टर की खोज शुरू की जाएगी। डायरेक्टर के मिलते ही दिसंबर में केंद्र के शुरू होने की योजना है। कुलसचिव प्रो. चंदर कुमार सिंह ने बताया कि डायरेक्टर की नियुक्ति की प्रकिया चल रही है। नियुक्ति होते ही एआई सेंटर शुरू हो जाएगा। रिसर्च और तकनीकी शिक्षा को मिलना था बढ़ावा एआई सेंटर शुरू होने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सुपर कंप्यूटिंग और आधुनिक तकनीकी शोध के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा शोधार्थियों को जटिल डाटा का विश्लेषण करने और नई तकनीक विकसित करने के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। इन प्रक्रियाओं में होगी आसानी इन लैब में छात्र विभिन्न टूल और तकनीक का प्रयोग कर सकेंगे।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ता निभाएं अहम भूमिका: डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

गुरुग्राम। रविवार को यहां भाजपा कार्यालय गुरुकमल में प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने भाजपा गुरुग्राम महानगर के कार्यालय का उद्घाटन किया। जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने हवन-यज्ञ में आहुति अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा संगठन की मजबूती और जनकल्याण की मंगलकामना की। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, निष्ठावान और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। कार्यकताओं के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण से ही पार्टी की विचारधारा तथा जनसेवा का संकल्प समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन गढ़े चलो, सुपथ पर बढ़े चलो के मंत्र को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। समाज के प्रत्येक वर्ग से निरंतर संवाद स्थापित करने को प्रेरित किया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यालय केवल बैठकों और प्रशासनिक गतिविधियों का स्थान नहीं, बल्कि संगठनात्मक समन्वय, कार्यकताओं के बीच संवाद, विचार-विमर्श, योजना निर्माण और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण केंद्र होता है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों तथा उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय और जनसेवा भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक पहचान और संगठन की कार्य संस्कृति का मूल आधार है।

मुठभेड़ में दो गो-तस्कर ढेर, एक आरोपी व पुलिस कर्मी घायल

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार तड़के गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस व गो-तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में दो आरोपियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य आरोपी और एक पुलिसकर्मी गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नल्हड़ स्थित शहीद हसन खान मेवाती राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके से सात गोवंशों को मुक्त कराने के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही पिकअप गाड़ी और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सीएस स्टाफ की टीम गो-तस्करी के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान कथित गो-तस्करों और पुलिस टीम के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी में तीन आरोपी घायल हो गए। पुलिस तीनों को उपचार के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान साबिर निवासी फोंदाबास बीवां और गब्बर उर्फ हाड़िया निवासी शालमपुर, राजस्थान की मौत हो गई। वहीं, ताहिर पुत्र अहमद निवासी घाटमीका, जिला डीग (राजस्थान) घायल है। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हुआ है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से राजस्थान नंबर की पिकअप गाड़ी बरामद की। पिकअप में सात गोवंश लदे हुए थे, जिन्हें पुलिस ने मुक्त कराया। इसके अलावा घटनास्थल से तीन देसी कट्टे 315 बोर, तीन जिंदा कारतूस और पांच खाली कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद पिकअप, गोवंश और हथियारों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब मुठभेड़ के दौरान हुई गोलीबारी, घटनाक्रम और उससे जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों का गो-तस्करी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं।

नौकरी की आड़ में धर्मांतरण कराने में लगी चार महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। स्थानीय पुलिस ने धर्मांतरण संबंधी गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में चार महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना सेक्टर-56 की टीम ने गांव घाटा में रेड के दौरान चारों महिलाओं को मौके से काबू किया। सहायक पुलिस आयुक्त (सदर) कपिल अहलावत ने रविवार को बताया कि मौके से एक सीसीटीवी कैमरा व एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान सुमन कुमारी (उम्र-21 वर्ष) पुत्री विनोद शाह निवासी कोसलपुरी आजादपुर दिल्ली, राजकुमारी चाओबा सिंह (उम्र-36 वर्ष) पुत्री राजकुमार चाओबा निवासी जिला विष्णुपुर मणिपुर (वर्तमान निवासी सेक्टर-86, गुरुग्राम), अशमिता चाहार (उम्र-35 वर्ष) पुत्री दलबहादुर निवासी नेपाल (वर्तमान निवासी कोटला दिल्ली) तथा ललनपुई (उम्र-31 वर्ष) पुत्री वी. ललपनलियाना निवासी आइजोल मिजोरम (वर्तमान निवासी द्वारका, दिल्ली) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 14 नवंबर 2026 को एक



व्यक्ति ने पुलिस थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम को शिकायत देकर कहा कि गांव घाटा में एसपीआर रोड स्थित सर्विस स्टेशन के नजदीक बनी झुग्गी-झोपड़ियों एवं कच्चे कमरों में कुछ अज्ञात व्यक्ति व महिलाएं गरीब परिवारों के छोटे बच्चों के लिए निजी पाठशाला संचालित कर रहे हैं। आरोप था कि बच्चों को खाने-पीने की वस्तुएं एवं अन्य जरूरी सामान वितरित करने के साथ-साथ धर्मांतरण संबंधी गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। उन लोगों द्वारा पाठशाला संचालित करके तथा खाने-पीने की वस्तुएं वितरित करके बच्चों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए थाना सेक्टर-56 की पुलिस टीम द्वारा एसएचओ सुखपाल के नेतृत्व में एक रेडिंग पार्टी तैयार की गई। गांव घाटा स्थित बताए गए स्थान पर रेड की गई। पुलिस टीम को मौके पर चार महिलाएं मिलीं, जिन्होंने पूछताछ के दौरान अपनी पहचान ललनपुई, अशमिता चाहार, राजकुमारी चाओबा सिंह एवं सुमन कुमारी के रूप में बताई। पुलिस टीम द्वारा चारों महिलाओं को काबू किया गया। शिकायत एवं प्रारंभिक जांच के आधार पर आरोपी महिलाओं के विरुद्ध धर्मांतरण के प्रयास से संबंधित अपराध पाए जाने पर थाना सेक्टर-56 में केस दर्ज किया गया। चारों आरोपित महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। एक महिला कंपनी में एचआर, एक लीड एनालिस्ट आरोपितों से पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपित ललनपुई एक निजी कंपनी में एचआर के पद पर कार्य करती है। अशमिता चाहार एक हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करती है। राजकुमारी चाओबा सिंह एक निजी कंपनी में लीड एनालिस्ट के पद पर कार्यरत है तथा आरोपित युवती सुमन ने गत वर्ष ही ग्रेजुएशन की है। वह अभी बीएड के लिए तैयारी कर रही है। पुलिस के अनुसार ये सभी महिलाएं करीब पिछले एक साल से शनिवार के दिन दिल्ली से गुरुग्राम में आकर बच्चों को शिक्षा व खाने-पीने की वस्तुएं देने के नाम पर निजी पाठशाला संचालित करते हुए उन्हें ईसाई धर्म अपनाने की प्रेरणा दे रही थीं। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से एक सीसीटीवी कैमरा तथा आरोपिता सुमन कुमारी के कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

जमानत पर बाहर आकर चेन लूट करने लगा बदमाश, मुठभेड़ के बाद साथी संग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। ग्रेटर नोएडा की बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एक बदमाश जमानत पर जेल से बाहर आकर अपराध कर रहा था तो दूसरा पूर्व में मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा था। दोनों पर विभिन्न थानों में चोरी, लूट आदि के मुकदमें दर्ज हैं। बीटा-2 कोतवाली के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि रविवार देर रात कोतवाली पुलिस ढकिया बाबा गोल चक्कर के पास चेंकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवकों को रुकने का इशारा



किया लेकिन पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों की बाइक फिसल गई। गिरने के बाद दोनों ने पुलिस ने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। जिसमें दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। इस समय दीपू ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव और मोनू भंगेल में रह रहा था। दोनों के पास से चोरी की एक बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर हैं। मोनू चेन स्नेचिंग में जेल जा चुका है। इस समय जमानत पर जेल से बाहर चल रहा था। वहीं जून माह में मुठभेड़ के दौरान दीपू फरार हो गया था। तब उसका साथ राजेंद्र उर्फ लल्लू लूट की चेन के साथ गिरफ्तार हुआ था। उस पर 25 हजार का ईनाम घोषित था। दीपू पर 8 मुकदमें और मोनू पर 19 मुकदमें दर्ज हैं।

ओखला झील का पानी होगा साफ, नक्षत्र वाटिका भी स्थापित होगी; जल शक्ति मंत्री ने प्लांट का किया उद्घाटन

एजेंसी

नोएडा। सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। दिल्ली-नोएडा के बीच कालिंदी कुंज के पास यूपी सिंचाई विभाग की ओखला झील का पानी

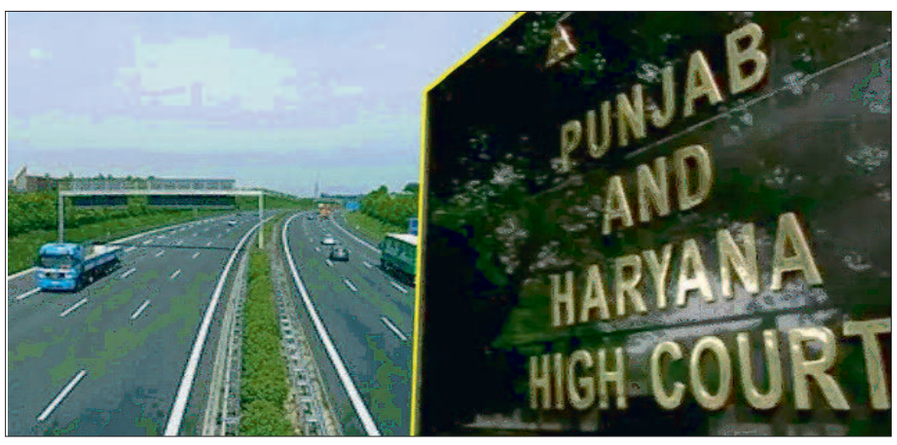


साफ होगा। इसके लिए सिंचाई विभाग की तरफ से स्थापित किए गए प्लांट का रविवार को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिंचाई विभाग के परिसर में नक्षत्र वाटिका भी बनेगी। इस वाटिका में भी अलग-अलग नक्षत्रों के प्रतीक 27 प्रजातियों के पौधे मंत्री व विभाग के अधिकारियों ने लगाए। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि इस संयंत्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य झील के जल का प्रभावी शोधन एवं शुद्धिकरण सुनिश्चित करना है। इसके संचालन से झील के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने, जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी। वहीं नक्षत्र वाटिका प्रकृति से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन एवं हरित परिसर के विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। मंत्री ने विभाग के अधिकारियों से जल संसाधनों के संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाए रखने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से जल शोधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, मुख्य अभियंता (सज्जा एवं सामग्री प्रबंधन) उपेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता, यमुना संगठन दिनेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन होगा

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी के नौ सेक्टरों में प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़कों के लिए जमीन अधिग्रहण से पूर्व सामाजिक प्रभाव अध्ययन किया जाएगा। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक ने एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक से अध्ययन करवाने का आग्रह किया है। इस अध्ययन के बाद भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। जमीन अधिग्रहण से पहले होगा सामाजिक प्रभाव अध्ययन सेक्टर-81 से लेकर सेक्टर-86 और सेक्टर-104 में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण को लेकर नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने सर्वे किया था। इस सर्वे में सामने आया था कि गांव गुड़गांव गांव,



धनवापुर, लखनौला, नवादा फतेहपुर, मानेसर, शिकोहपुर, सिकंदरपुर बढ़ा, सिंही, खेड़की दौला, बामडौली और बढ़ा में करीब 107 एकड़ जमीन की जरूरत थी। इसमें से 10.74 एकड़ जमीन के अधिग्रहण की आवश्यकता है। बची जमीन पर बिल्डरों को ट्रांसफरेबल डिवेलपमेंट राइट्स (टीडीआर) जारी किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत जमीन अधिग्रहण करने से पहले सामाजिक प्रभाव अध्ययन करना अनिवार्य है। ऐसे में इस अध्ययन की जिम्मेदारी एचएसआईआईडीसी को सौंपी गई है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन सेक्टरों का चयन हुआ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन सड़कों के अभाव के कारण सैकड़ों सोसाइटी और कॉलोनी निवासियों की असुविधाओं को देखते हुए जमीन अधिग्रहण करके निर्माण करने के आदेश जारी किए थे। सेक्टर-58 से लेकर सेक्टर-115 तक 24 मीटर चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए करीब 1158 एकड़ जमीन की जरूरत है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत इन नौ सेक्टरों की जमीन का अधिग्रहण का फैसला हुआ है। सड़कों का निर्माण नहीं होने से लाखों परिवार परेशान इन सड़कों का निर्माण नहीं होने की वजह लाखों लोग परेशान हैं। सेक्टर-104 स्थित गोदरेज समिट सोसाइटी के निवासी बजरंग जैन ने बताया कि राजस्व रास्ते से आना-जाना पड़ता है। इसकी चौड़ाई कम है। गांववासी और आसपास लगती कॉलोनियों के निवासी भी इस रास्ते से आते-जाते हैं। ऐसे में इन सड़कों का निर्माण बहुत आवश्यक है। द्वारका एक्सप्रेसवे वेलफेयर एसोसिएशन के उप संयोजक सुनील सरीन के मुताबिक सड़कों के अभाव में द्वारका एक्सप्रेसवे पर विकसित सभी सेक्टरों में विकसित सोसाइटी और कॉलोनी के निवासी परेशान हैं। उन्हें आवागमन के लिए गांव के कच्चे रास्तों से निकलना पड़ता है। बारिश में तो स्थिति बदतर हो जाती है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत नौ सेक्टरों में 24 मीटर चौड़ी सड़कों के जमीन अधिग्रहण का चयन हुआ है। एचएसआईआईडीसी से सामाजिक प्रभाव अध्ययन करने का आग्रह किया है। इसके पश्चात सड़कों के अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

बरेली में आग तापते समय अलाव में गिरकर झुलसा राजमिस्त्री, इलाज के दौरान मौत

एजेंसी

बरेली। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में आग से झुलसे राजमिस्त्री की उपचार के दौरान मौत हो गई। वह नशे की हालत में अलाव में गिर गए थे। गंभीर रूप से झुलसने पर परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनइया रानी गांव में रविवार शाम आग तापते समय झुलसे 45 वर्षीय आकिल की सोमवार तड़के जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजन के मुताबिक, आकिल नशे की हालत में अलाव में गिर गए थे। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मृतक के भतीजे मोइन खान ने बताया कि रविवार शाम आकिल घर के बाहर आग जलाकर ताप रहे थे। इसी दौरान नशे की हालत में अचानक वह आग में गिर गए। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के करीब चार बजे उनकी मौत हो गई। आकिल राजमिस्त्री का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी व चार बच्चे हैं। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन के अनुसार, आकिल कई वर्षों से शराब समेत अन्य नशे के आदी थे। नशा छोड़ने के लिए परिवार के लोग उन्हें कई बार समझाते थे, लेकिन वह नहीं मानते थे। भतीजे ने बताया कि नशे के लिए रुपये मांगने को लेकर अक्सर घर में विवाद भी होता था। कई बार आकिल घर का सामान तक बेच देते थे।

डीएम अविनाश सिंह ने परिवार और स्टाफ के साथ की स्वगणना, जनगणना-2027 का शुभारंभ

एजेंसी

बरेली। जनगणना-2027 के तहत स्वगणना की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। डीएम ने अपने परिवार और स्टाफ के साथ स्वगणना कर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने आमजन से स्वगणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने और सही जानकारी दर्ज करने की अपील की। बरेली में जनगणना-2027 के तहत सोमवार से स्वगणना अभियान शुरू हो गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अपने कैंप कार्यालय में परिवार और समस्त स्टाफ के साथ स्वगणना कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयं और अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान डीएम ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास और भविष्य की योजनाओं का आधार है। इससे जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के बेहतर नियोजन और विकास की प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलती है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि स्वगणना की सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने और परिवार के सदस्यों की सही एवं सटीक जानकारी दर्ज करें। डीएम ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान की सफलता प्रत्येक नागरिक की भागीदारी पर निर्भर करती है। लोग स्वयं स्वगणना करने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वगणना में भागीदारी कर सकें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह सहित कैंप कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

वीडीए सचिव समेत कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले, इन्हें मिली नई जिम्मेदारी

एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव समेत कई अहम पदों पर फेरबदल किया गया है। तीन अपर आयुक्त और एडीएम प्रोटोकॉल बदले गए हैं। वीडीए के सचिव रहे वेद प्रकाश मिश्रा को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सीनियर पीसीएस अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। इस सूची में वाराणसी से जुड़े कई महत्वपूर्ण पद भी शामिल हैं, जिनमें वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के सचिव, तीन अपर आयुक्त और अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) के पद पर बदलाव हुए हैं। वीडीए सचिवः वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव पद पर विवेक कुमार मिश्रा को नई जिम्मेदारी दी गई है। वह गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव पद से स्थानांतरित होकर वाराणसी आए हैं। वहीं, वाराणसी विकास प्राधिकरण के सचिव रहे वेद प्रकाश मिश्रा को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी बनाया गया है। अपर आयुक्तः वाराणसी मंडल में तीन अपर आयुक्तों का तबादला हुआ है। ज्योति सिंह को अमेठी से अपर जिलाधिकारी के पद से स्थानांतरित कर वाराणसी मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है। जबकि, वाराणसी मंडल के अपर आयुक्त सुनंदू सुधाकरन को बस्ती का अपर जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह, वाराणसी मंडल के एक अन्य अपर आयुक्त आलोक कुमार वर्मा को अयोध्या विकास प्राधिकरण का सचिव बनाया गया है। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल): वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) के पद पर भी बदलाव हुआ है। सहारनपुर के नगर मैजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह को वाराणसी का नया अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) बनाया गया है। इस पद पर कार्यरत विनय कुमार सिंह-2 को मेरठ विकास प्राधिकरण का सचिव नियुक्त किया गया है।

रोपवे के तीन स्टेशन तैयार, गोदौलिया और गिरजाघर में काम बाकी; दिसंबर से सेवा शुरू होने की उम्मीद

एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में रोपवे की सेवा दिसंबर से यात्रियों के लिए शुरू होने की उम्मीद है। तीन स्टेशन तैयार हो गए हैं। जबकि गोदौलिया और गिरजाघर में काम बाकी है। सुरक्षा जांच और अन्य औपचारिकताएं अहम हैं। कैंट-गोदौलिया रोपवे परियोजना के तहत कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। वहीं, गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर अभी काम बाकी है। 3.85 किलोमीटर लंबे रोपवे कॉरिडोर के तीन स्टेशन तैयार होने के बाद अब शेष कार्यों को पूरा करने पर जोर है। परियोजना का निर्माण पूरा होने और सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दिसंबर से यात्रियों के लिए रोपवे सेवा शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत कुल पांच स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें कैंट, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। गिरजाघर और गोदौलिया स्टेशन पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। परियोजना की कुल लंबाई 3.85 किलोमीटर है। इसमें 29 टावर लगाए गए हैं और 148 गंडोला केबिन के जरिये यात्रियों को सफर कराने की योजना है। दिसंबर से यात्रियों के लिए सेवा शुरू करने की उम्मीद जताई जा रही है। रोपवे शुरू होने के बाद कैंट से गोदौलिया तक का सफर करीब 16 मिनट में पूरा होने की उम्मीद है। इससे शहर के व्यस्ततम मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने और पर्यटकों को आवागमन का एक वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अब शहरवासियों को रोपवे के शेष कार्य पूरे होने और संचालन की आधिकारिक तारीख घोषित होने का इंतजार है।

चार मीटर चौड़ी सड़क पर बनी थी पांच मंजिला इमारत, आग बुझाने में आई मुश्किल

एजेंसी

कानपुर। कानपुर के राधिका अपार्टमेंट में लगी भीषण आग से दो लोगों की जान चली गई। जबकि दो लोग झुलस गए। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट में आग लगने की घटना ने इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब चार मीटर चौड़ी सड़क पर बनी पांच से छह मंजिला इमारत में आग बुझाने और राहत-बचाव कार्य में दमकल टीमों को चुनौती का सामना करना पड़ा। जांच में सामने आया कि बिल्डिंग के भूतल स्थित पार्किंग में खड़े वाहनों में स्पार्किंग से आग लगी और सीढ़ियों के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। इमारत में समुचित आपातकालीन निकास की व्यवस्था भी नहीं थी।

कम नहीं हो रही ट्रेनों में भीड़, दिल्ली की कई गाड़ियों में नो रूम, जनरल कोच में पैर रखना मुश्किल

एजेंसी

प्रयागराज । छठ का पर्व संपन्न होने के साथ ही परदेस वापसी की तैयारी तेज हो गई है। सोमवार से स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ और बढ़ने के आसार हैं, लेकिन रविवार को ही दिल्ली और मुंबई जाने वाली कई ट्रेनों में जगह नहीं बची। प्रयागराज एक्सप्रेस के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों को शाम से ही कतार लगानी पड़ी। लोक आस्था के महापर्व छठ की छटा अब धीरे-धीरे विदा हो रही है। पर्व मनाने के बाद सोमवार से दूसरे शहरों में कामकाज और नौकरी के लिए लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ने के आसार हैं। हालांकि, रविवार को ही महानगरों की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। दिल्ली और मुंबई मार्ग की



कई गाड़ियों में आरक्षण पूरी तरह भर जाने से नो रूम की स्थिति रही। वहीं, सामान्य कोचों में भी यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिली। इससे यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वीआईपी ट्रेनों में शामिल प्रयागराज एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में रविवार को प्रतीक्षा सूची 141 तक पहुंच गई। एसी तृतीय श्रेणी में 82 और एसी द्वितीय श्रेणी में 65 तक की प्रतीक्षा सूची दर्ज की गई। अन्य प्रमुख ट्रेनों में भी सीटों के लिए मारामारी रही। वंदे भारत एक्सप्रेस के वातानुकूलित कुर्सीयान में प्रतीक्षा सूची 100 के पार पहुंच गई, जबकि शयनयान वंदे भारत के प्रथम वातानुकूलित श्रेणी में भी नो रूम की स्थिति रही। आनंद विहार की ओर जाने वाली रीवा एक्सप्रेस, नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस और सीमांचल एक्सप्रेस में भी यात्रियों को आरक्षित बर्थ पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। महाबोधि एक्सप्रेस के स्लीपर और एसी द्वितीय श्रेणी, ब्रह्मपुत्र मेल की सभी श्रेणियों तथा पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के एसी द्वितीय और तृतीय श्रेणी के कोचों में भी सीटें पूरी तरह भर गईं। आरक्षित सीटों के साथ ही अनारक्षित कोचों में भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रयागराज जंक्शन पर दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस के सामान्य कोच में चढ़ने के लिए रविवार शाम से ही यात्रियों की लंबी कतार लग गई। ट्रेन के पहुंचने पर यात्रियों को कोच में सवार होने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़वाने में मदद की। सोमवार से और बढ़ सकती है भीड़ छठ महापर्व के बाद सोमवार से नौकरी, कारोबार और पढ़ाई के सिलसिले में दूसरे शहरों में लौटने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। ऐसे में प्रयागराज से दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में भीड़ और बढ़ सकती है। यात्रियों को आरक्षित सीटों के लिए पहले से योजना बनाने की जरूरत होगी। प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए इस बार बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। यात्रियों ने इनका लाभ भी उठाया है।

हथियारों की चमक से भारतीय युवाओं को फंसा रहे पाकिस्तानी आतंकी

एजेंसी

बरेली। बरेली पुलिस और एसओजी ने अवैध शस्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़ कर आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के नेटवर्क से जुड़े चार आरोपियों को पकड़ा है। ये पाकिस्तानी हैंडलर अजमल गुर्जर के फॉलोअर बताए जा रहे हैं। पुलिस जांच में जुटी है। सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के खास गुर्गे गैंगस्टर अजमल गुर्जर के संपर्क में आए स्थानीय युवा हथियारों की चकाचौंध में खो गए थे। सुखराज उर्फ सुक्खा ने अजमल से लाइव वीडियो चैट की बात कबूली, साथ ही इसके लिए माफी मांगकर खुद को बेचारा दिखाने की कोशिश भी की। एसएसपी अनुराग आर्य ने जब आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया तो सुक्खा ने इंस्टाग्राम के जरिये पाकिस्तानी गैंगस्टर अजमल से करीबी और लाइव वीडियो चैट की बात कबूली। कहा कि वह न तो अपराधी है और न ही उसने किसी की हत्या या अपराध करने के लिए पिस्टल खरीदी। कहा कि उसे हथियार रखने का शौक है। इसी शौक में वह इंस्टाग्राम पर रील देखते हुए अजमल की एक रील शेयर कर बैठा। उसकी रील व वीडियो पर लाइक-कमेंट करने लगा तो एक दिन अजमल ने ही उसे कॉल कर ली। उससे कहा कि वह उसे शानदार पिस्टल केवल 1.30 लाख में दे देगा। इसके लिए उसे पाकिस्तान सीमा पर पंजाब में आना होगा। उसने अब तक केवल एक ही पिस्टल खरीदी है। बरेली दंगे में हथियार सप्लाई में जेल गया था इशरत पहलवान एसएसपी ने बताया कि बहेड़ी निवासी इशरत पहलवान हिस्ट्रीशीटर व पुराना हथियार तस्कर है। उसका नाम 26 सितंबर 2025 को बरेली दंगे में उत्तराखंड से हथियारों की सप्लाई करने वालों में प्रमुखता से आया था। तब उसे जेल भेजा गया था। अब वह जमानत पर छूट चुका है। आरोपियों से मिले इनपुट से पता लगा है कि वह दोबारा इसी धंधे में उतर आया है। एसआईटी करेगी जांच, बीस हजार इनाम की घोषणा एसएसपी ने बताया कि दो आरोपियों गुरुसेवक व अनस की तलाश की जा रही है।

जरिया पुलिस ने फरार चल रहे तीन शातिर अभियुक्तों को किया गिरफतार

हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर) जरिया पुलिस ने बताया कि वादी अरुण कुमार पुत्र जयपाल राजपूत निवासी ग्राम अमूंद, जरिया ने प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि कुछ व्यक्तियों ने उनके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके बाद जरिया पुलिस ने 14 नवंबर 2026 को 3 फरार अभियुक्तों 22 वर्षीय राहुल राजपूत पुत्र रमेश्चन्द्र ,25 वर्षीय अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार सहित जबकि 26 वर्षीय संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत को बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के पास से ग्राम कछवाकला से अवैध तमंचा व कारतूस के साथ दबोचकर अदालत में पेश किया गया। जरिया थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय ने बताया कि



अभियुक्त अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर सहित एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। जबकि अभियुक्त संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत के कब्जे से एक अदद जिन्दा व एक अदद मिस कारतूस 315 बोर बरामद किया गया, वहीं अभियुक्त राहुल राजपूत पुत्र रमेश्चन्द्र के कब्जे से एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद खोखा व एक अदद मिस कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। जबकि अभियुक्त राहुल राजपूत का आपराधिक इतिहास-*

1.मु0अ0सं0 293/2024 धारा 115(2), 324(4), 351(2), 352 बी0एन0एस0 थाना जरिया।

2.मु0अ0सं0 32/2026 धारा 115(2), 351(3), 352 बी0एन0एस0 थाना जरिया।

3.मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्त अभय राजपूत उर्फ अब्बू पुत्र अरूण कुमार का आपराधिक इतिहास- मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्त संजय सिंह पुत्र लखन राजपूत का आपराधिक इतिहास-

मु0अ0सं0 198/2026 धारा 191(2)/191(3)/352/351(3)/288 बी0एन0एस0 थाना जरिया। अभियुक्तों को गिरफतार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई दिलीप श्रीवास्तव, कांस्टेबले निखिल यादवे, कांस्टेबल करन यादव सहित कांस्टेबल अंचल पटेरिया शामिल रहे।

झोपड़ी में मिला लापता 19 वर्षीय युवक का शव, हत्या की आशंका; पुलिस कर रही जांच

एजेंसी

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर में लापता 19 वर्षीय युवक का शव एक झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना मिलते ही सीओ और थाना प्रभारी ने पुलिस बल व फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार सुबह झोपड़ी के अंदर 19 वर्षीय युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक रविवार देर रात से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तभी घर से करीब 200 मीटर दूर सामुदायिक शौचालय के पास झोपड़ी में उसका शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। घटना चांदा क्षेत्र के घूरीपुर गांव की है। मृतक की पहचान गांव निवासी अमन गौतम (19) पुत्र



रामचरन के रूप में हुई है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर और चांदा थाना प्रभारी राजकुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों के अनुसार, अमन रविवार रात करीब 11 बजे घर से लापता हो गया था। देर तक उसके वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह तलाश करते हुए परिजन सामुदायिक शौचालय के पास पहुंचे तो झोपड़ी में उसका शव पड़ा मिला। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। अमन दो भाइयों में छोटा था। उसके पिता रामचरन और बड़ा भाई अभिषेक मुंबई में रहते हैं। बेटे की मौत की खबर से मां जानकी और बहन लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मां के सामने बेटे की मौत, घाट पर करने आया था सूर्य की आराधना, करंट ने छीन ली जिंदगी

एजेंसी

बलिया। बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव के समीप स्थित नरहरि बाबा इंटर कॉलेज के पास छठ घाट पर दर्दनाक हादसा हुआ। मां के साथ पूजा करने के लिए पहुंचे युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। छठ घाट पर आस्था और उल्लास का माहौल उस वक्त चीख-पुकार में बदल गया, जब बिजली के पोल में उतरे करंट की चपेट में आने से 20 वर्षीय अभिषेक यादव की मौत हो गई। मां के साथ छठ पूजा करने पहुंचे अभिषेक को इस बात की भनक भी नहीं थी कि जिस घाट पर वह भगवान भास्कर की आराधना करने आया है, वहीं उसकी जिंदगी का आखिरी पल होगा। हादसे के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं बेटे की मौत की खबर से मां की दुनिया उजड़ गई। कैसे हुआ हादसा दोकटी थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव निवासी राजेश सिंह का पुत्र अभिषेक यादव सोमवार को अपनी मां के साथ गांव के समीप श्री नरहरि बाबा इंटर कॉलेज के पास स्थित छठ घाट पर पूजा करने गया था। इसी दौरान अचानक उसका हाथ वहां स्थित बिजली के पोल से छू गया। पोल में करंट उतरने के कारण अभिषेक उसकी चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना तेज था कि उसे संभलने का मौका तक



नहीं मिला और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते पूजा की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभिषेक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस घर में छठ पर्व की तैयारियां और खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा है। मां के साथ पूजा करने निकले बेटे का इस तरह साथ छूट जाना पूरे गांव को झकझोर गया। बैरिया क्षेत्राधिकारी आलोक गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

एजेंसी

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। फखरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में तीनों युवकों की मौत हो गई। मृतक आपस में करीबी रिश्तेदार थे और रोजगार के सिलसिले में अपनी दुकान पर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश शुरू कर दी है। टक्कर



जाते समय चौपाल सागर के पास हुआ हादसा प्राप्त जानकारी के अनुसार, रिसिया थाना क्षेत्र के ग्राम जमाल टेपरा निवासी रामकिशुन (18 वर्ष), मुकेश (23 वर्ष) और रामू (25 वर्ष) सोमवार सुबह एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से निकले थे। मृतक रामू के भाई रमेश ने बताया कि तीनों युवक फखरपुर कस्बे में स्थित अपनी साइकिल की दुकान पर काम करने जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक हाईवे पर स्थित 'चौपाल सागर' के समीप पहुंची, सामने से आ रही या बगल से गुजर रही एक बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे, जिससे वे गंभीर रूप से लहूलुहान हो गए। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने किया मृत घोषित हादसे के बाद हाईवे पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही हाईवे चौकी प्रभारी हेमंत सिंह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो गंभीर घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से और तीसरे घायल को एक ऑटो के जरिए आनन-फानन में जिला अस्पताल स्थित मेडिकल कॉलेज भिजवाया। हालांकि, मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. राजेश सोनकर ने गहन जांच के बाद तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। हेलमेट न होने से सिर में आई गंभीर चोटें पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बाइक सवार तीनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरने से तीनों के सिर में बेहद गंभीर चोटें आईं, जो उनकी मौत का मुख्य कारण बनीं। घटनास्थल पर मिले मृतकों के मोबाइल फोन की मदद से पुलिस ने उनके परिजनों को इस हृदयविदारक घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही बदहवास परिजन रोते-बिलखते हुए मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां शवों को देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। फरार वाहन की तलाश में जुटी पुलिस एक ही परिवार और रिश्तेदारी के तीन जवान युवकों की एक साथ मौत होने से जमाल टेपरा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आयुष विक्रम सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फखरपुर थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी को मामले की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना को अंजाम देकर फरार हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

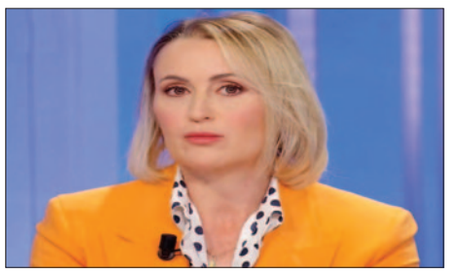
रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त` के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी` दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुका

मुंबई ।

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

जानकारी

सोते समय भी आता है पसीना

5 कारण, जिनसे रात में भी आता है पसीना

क्या सुबह नींद से जागने पर आप खुद को पसीने से लथपथ पाते हैं? पसीना भी ऐसा जिसे गर्मी या उमस मानकर टाला नहीं जा सका? तो यह सेहत से जुड़ी बड़ी चिंता हो सकती है। जानिए इसी बारे में -

हार्मोन इम्बैलेंस

यदि आप महिला हैं और उम्र 40 साल से ज्यादा है तो मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) की शुरुआत रात में आने वाले पसीने का कारण हो सकती है। औसतन शहरों में महिलाओं को 46 की उम्र के बाद मेनोपॉज होता है। मेनोपॉज एक तरह से हार्मोन्स का रोलर-कोस्टर है, जिसके कारण शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। रात में आने वाला पसीना भी मेनोपॉज का एक लक्षण है। यह नुकसानदायक नहीं है बशर्ते नींद में कोई खलल न पड़े।

अमेरिका के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट के अनुसार, ब्रेस्ट कैंसर से लड़ चुकी महिलाओं में मेनोपॉज के बाद रात में पसीने की शिकायत रहती है। कैंसर पीड़ित करीब दो तिहाई महिलाओं में यह शिकायत पाई गई है। कैंसर के इलाज के कारण भी मेनोपॉज होता है और कुछ मामलों में यही स्थिति रात के पसीने का कारण बनती है।

इसके अलावा हार्मोन इम्बैलेंस के अन्य कारण होते हैं - डायबिटीज, प्रेग्नेंसी और एचआईवी इन्फेक्शन जो नींद में पसीने का कारण बनते हैं। भारत में डायबिटीज के सबसे ज्यादा मरीज हैं। यदि आपके परिवार में भी किसी को डायबिटीज रही है और आपको रात में पसीना आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलें।

टीबी

टीबी (टुबर्क्युलोसिस यानी तपेदिक या क्षय रोग) का असर फेफड़ों पर सबसे ज्यादा पड़ता है। वहीं इसके लक्षणों में रात में पसीना आना, वजन घटना और बुखार भी शामिल है। टीबी के केस में 45 फीसदी मरीजों को रात में पसीना आता है।

कैंसर

कैंसर रिसर्च यूके के अनुसार, विशेष प्रकार के कैंसर में मरीज को रात में पसीना आता है। शोधकर्ताओं की नजर में इसका कारण यह है कि जब शरीर कैंसर से लड़ रहा होता है, तब इम्युन सिस्टम इन्फेक्शन जैसे लक्षण प्रस्तुत करता है। इस कारण रात में बुखार और पसीना आता है।

ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, स्तन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के मरीजो को भी रात में पसीने की शिकायत रहती है।

ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया

स्लीप एपनिया एक तरह की बीमारी है, जिसमें मरीज सोते समय ठीक से सांस नहीं ले पाता है। ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया या OSA से पीड़ित लोग जैसे ही सोते हैं या रिलेक्स स्थिति में होते हैं, गले की मांशपेशियां श्वास नली को ब्लॉक कर देती है। इसका असर शरीर की ऑक्सीजन सप्लाय पर पड़ता है। यही कारण है कि OSA के मरीज रात में कई बार जागते हैं।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, OSA से पीड़ित 30.6 प्रतिशत पुरुष और 33.3 प्रतिशत महिलाएं रात के पसीने से परेशान रहते हैं। वहीं सामान्य पुरुषों और महिलाओं में यह आंकड़ा क्रमशः 9.3 प्रतिशत और 12.4 प्रतिशत रहता है।

गैस्ट्रोएसोफगियल रिफ्लक्स डिजीज (GERD)

गैस्ट्रोएसोफगियल रिफ्लक्स डिजीज एक गैस्ट्रोइंटेस्टिनल डिसऑर्डर है जिसमें सोते समय भोजन नलिका में बना एसिड पेट में जमा होता है। इससे सीने में जलन होती है और सोते समय भी पसीना आता रहता है।

जानिए क्या है इलाज

इसके इलाज के रूप में डॉक्टर एंटीबायोटिक्स, एंटीडिपेंटेंट्स, एंटीकॉन्वल्सेन्ट्स देते हैं। यदि हार्मेन्स इम्बैलेंस के कारण ऐसा रहा है तो हार्मोन्स थैरेपी उपलब्ध हैं। कुछ मरीजों में गहरी सांस लेने और गर्मी पेय पदार्थों से बचना कारगर साबित हुआ है। यदि स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं को इस तरह पसीना आता है तो डॉक्टर एंटी-बायोटिक लेने की सलाह देते हैं।



योग शरीर और मन, दोनों को संतुलित, समन्वित तथा क्रियाशील रखता है। इसका नियमित अभ्यास करने वालों की प्रतिरोधक क्षमता बहुत अधिक होती है, जिस कारण ऐसे लोगों को सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से दो-चार नहीं होना पड़ता। किंतु जो इसकी चपेट में आ चुके हैं, वे भी यदि थोड़े सुधार के बाद योग का अभ्यास करते हैं तो बहुत जल्दी इस समस्या से उबर जाते हैं।

आसन का अभ्यास

प्रारम्भ में हल्के आसन जैसे सूक्ष्म व्यायाम, पवनमुक्तासन, वज्रासन, शशांकासन, मेरुवक्रासन, धनुरासन, भुजंगासन आदि का अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए अभ्यास करना चाहिए। जैसे-जैसे शरीर की क्षमता में वृद्धि होती जाए, अभ्यास में सुप्त वज्रासन, ताम्रासन, त्रिकोनासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन आदि को जोड़ देना चाहिए। यदि सूर्य नमस्कार का नियमित अभ्यास किया जाए तो सर्दी-जुकाम, खांसी आदि के साथ-साथ अन्य रोगों की आशंका भी कम हो जाती है।

अर्धमत्स्येन्द्रासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को सामने की ओर फैला कर जमीन पर बैठ जाएं। बाएं पैर को घुटने से मोड़ कर इसकी एड़ी को दाएं नितम्ब के नीचे रखें। अब दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए इसके घुटने को छाती की तरफ रखें तथा पंजे को बाएं घुटने के पार जमीन पर रखें। इसके बाद बाएं हाथ को दाएं घुटने के पार रखते हुए उसके पंजे को पकड़ने का प्रयास करें। सिर तथा धड़ को यथासंभव दायीं ओर मोड़ें। यह अर्धमत्स्येन्द्रासन की अंतिम अवस्था है। इस स्थिति में आरामदायक अवधि तक रुक कर वापस पूर्व स्थिति में आएं। यही क्रिया दूसरी तरफ भी करें।

प्राणायाम का अभ्यास

सर्दी-खांसी, जुकाम, बुखार (वायरल) आदि के ठीक होने पर सरल कपालभाति तथा नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास करने से कमजोरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता, उत्साह एवं स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

नाड़ी शोधन प्राणायाम का अभ्यास

सिद्धासन, पद्मासन या सुखासन में रीढ़, गले व सिर को सीधा कर बैठ जाएं। दायीं नासिका को बंद कर बायीं नासिका से गहरी, धीमी व लम्बी श्वास अंदर लें। उसके बाद बायीं नासिका को बंद कर दायीं नासिका से लंबी गहरी तथा धीमी प्रश्वास बाहर निकालें। इसके तुरंत बाद इसी नासिका से श्वास लेकर बायीं नासिका से प्रश्वास करें। यह नाड़ी शोधन प्राणायाम की एक आवृत्ति है। इसकी प्रारम्भ में 10 आवृत्तियों का अभ्यास करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या 24 तक कर लें। योग्य मार्गदर्शन में ही इसका अभ्यास किया जाना चाहिए।





इन बातों पर भी ध्यान दें

जुकाम, सर्दी तथा वायरल की स्थिति में फल के साथ-साथ हल्का सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। यदि तरल आहार लिया जाए तो रोग दो दिन में नियंत्रण में आ जाता है। मौसमी सब्जियों का गरम सूप लें। विटामिन ए और सी युक्त आहार लेना चाहिए।

जुकाम की अवस्था में धूम्रपान एवं मद्यपान बहुत हानिकारक है। अतः इसे बंद करना ही बेहतर होगा।

गरम नमकीन पानी के गरारे एवं आराम से लाभ होता है।



सेहत

फटे होंठो से पाएं छुटकारा

आजमाएं ये कुदरती तरीके

मौ लब, होंठ, ओंठ, ओष्ठ या अधर कई नाम हैं, लेकिन मकसद एक ही होता है, इन्हें स्वस्थ और सुंदर बनाए रखना, क्योंकि यह सुंदर चेहरे और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए बेहद जरूरी हैं। सर्दी के मौसम में सबसे बड़ी चुनौती है, इन्हें कटने-फटने से बचाना। जुड़ी त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अप्रतिम गोयल के मुताबिक फटे या रूखे होंठ एक आम समस्या है, जिसमें काफी तकलीफ होती है और होंठ भी बदसूरत लगने लगते हैं। होंठ फटने के आम लक्षण हैं, जैसे त्वचा लाल होना, रूखापन, होंठो पर सूजन या दर्द होना।

होंठ फटने के कारण

होंठ फटने के कई कारण हैं जैसे शरीर में पानी की कमी, विटामिन की कमी, एलर्जी से होने वाला रिएक्शन, धूम्रपान, होंठों पर बहुत ज्यादा जीभ घुमाना, खराब लिपस्टिक का इस्तेमाल, सूरज के सामने अधिक रहना और रूखे मौसम की वजह से भी होंठ फटते हैं।



फटे होंठो का घरेलू इलाज

बाजार में मिलने वाले कुछ बेहतरीन उत्पाद भी उपलब्ध हैं जो रूखे और फटे होंठों का इलाज करते हैं। लेकिन आप अपने पैसे बचाकर घर में ही कुछ बेहतरीन प्राकृतिक तरीकों से फटे होंठो का इलाज कर सकते हैं। कटे-फटे होंठो को दुरुस्त करने के लिए कुछ बहुत अच्छे कुदरती उपाय मौजूद हैं। यहां जिन उत्पादों की बात की जा रही है, उन्हें आप सीधे होंठों पर ही लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा पौधे की पत्तियों में पाए जाने वाले इस जेल में विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं जो त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी नमी को लौटा देते हैं।

नारियल तेल : ताजा नारियलों से तैयार नारियल तेल इन्फ्लेमेशन से मुकाबला करता है और एक बेहतरीन प्रशामक (एमोलिएंट) होता है। यानी यह त्वचा को नर्म और मुलायम बना देता है।

शहद : यह बहुत अच्छा मॉइश्चराइजर होता है। इस वजह से सूखे होंठों के लिए यह किसी रामबाण औषधि की ही तरह होता है। शहद में एंटीऑक्सिडेंट्स और बैक्टीरिया रोधी गुण भी होते हैं। इस वजह से कटे-फटे होंठों में इन्फेक्शन का खतरा भी खत्म हो जाता है। यह होंठों को मॉइश्चराइज करता है और इसमें मौजूद विटामिन और मिनरल्स की वजह से होंठों की सुंदरता भी लौट आती है।

ग्रीन टी : एंटीऑक्सिडेंट्स और मिनरल्स से भरपूर ग्रीन टी में पॉलिफेनॉल्स भी मौजूद होते हैं जो इन्फ्लेमेशन को रोकते हैं। ग्रीन टी के एक बैग को गर्म पानी में अच्छी तरह से डूबो लें और फिर उसे होंठों पर हल्के से रगड़ते हुए होंठों पर हल्की पपड़ी सी जमी सूखी त्वचा को निकाल लें। यह तकनीक पपड़ी निकालने के परंपरागत तरीके से बेहतर है।

क्या होती है दिक्कत?

होंठ जब कट-फट जाते हैं और उन पर सूखी परत जम जाती है तो हम जिस किसी भी बाम को इस्तेमाल करें वह तह तक नहीं पहुंच पाता। इसीलिए पपड़ी को निकालने की जरूरत महसूस की जाती है। यह याद रखें कि बाजार से लिप स्क्रब खरीदते समय यह सुनिश्चित कर लें कि उसमें शुगर या बेकिंग सोडा मौजूद है या नहीं।

धूम्रपान को बाय-बाय

धूम्रपान को पूरी तरह से टालना भी एक बहुत ही कारगर उपाय है। धूम्रपान से होंठ सूख जाते हैं और उसके कारण भी वह कट-फट सकते हैं। धूम्रपान से मुंह में छाले या दाढ़ में दर्द जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती हैं। धूम्रपान छोड़ने के कुछ ही दिनों में लोगों के होंठों में एकाएक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संज्ञे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

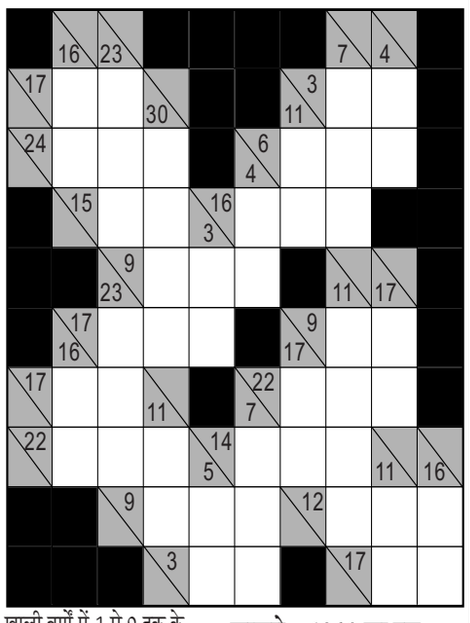
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। संज्ञे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

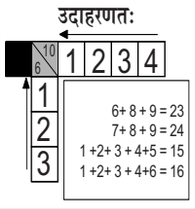
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 4070

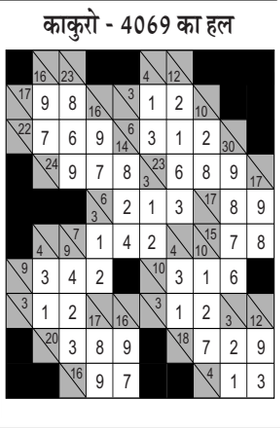


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4069 का हल



हंसी के फव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे.....'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

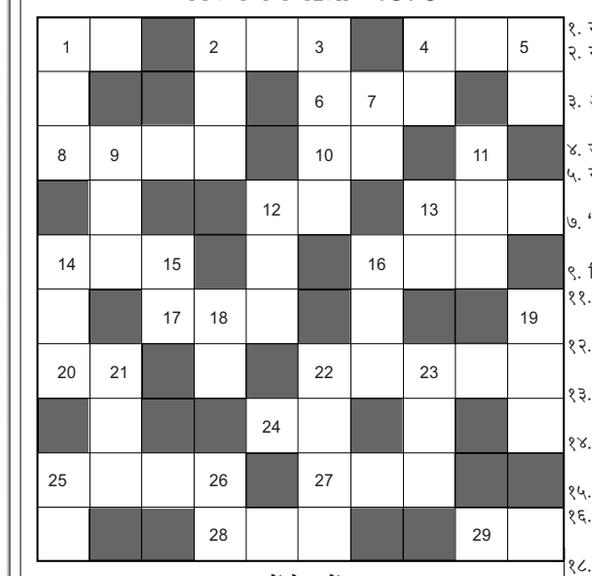
'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4070



बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंगा' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, खीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4069

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रे	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -4070

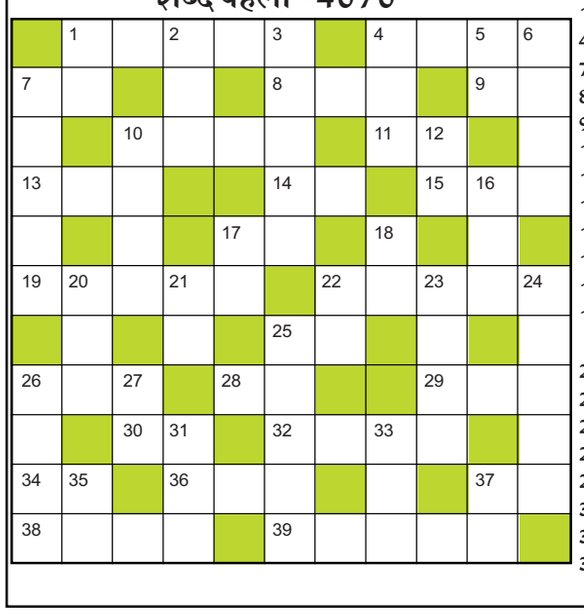
9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4069 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -4070



बाएँ से दाएँ

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली -4069 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		ब
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	



कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा: श्रुति हासन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब के सेवन जैसे संवेदनशील विषयों पर अपनी बेबाक राय साझा की। कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर श्रुति का मानना है कि हर व्यक्ति को अपने शरीर को लेकर फैसले लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन इन फैसलों को छिपाना या उनके बारे में असत्य बोलना उन्हें अनुचित लगता है।

अभिनेत्री ने कहा कि वे एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में लोगों के सामने बड़ी हुई हैं, ऐसे में कॉस्मेटिक बदलावों के बारे में झूठ बोलना व्यर्थ होगा। उन्होंने कुछ लोगों के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं– मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थीज्जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे। श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी के व्यक्तिगत चुनाव से आपत्ति नहीं है, बल्कि उस चुनाव को स्वीकार न करने या उस पर पर्दा डालने की प्रवृत्ति से है। उन्होंने यह भी कहा कि वे इन चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहतीं, बल्कि केवल सच्चाई सामने रखने की बात करती हैं।

अपनी जिंदगी के एक और निजी पहलू पर बात करते हुए श्रुति ने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि वे लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं, इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब का सेवन नहीं किया। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया है, लेकिन अब वे इसे लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उन्होंने हमेशा यह खुलकर स्वीकार किया है कि शराब उनके लिए अच्छी नहीं रही है। फिलहाल वे इसे संभालने और नियंत्रित करने के प्रयास में हैं, ताकि यह उनके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव न डाले। श्रुति हासन भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की पुत्री हैं। उन्होंने हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में भी अपनी पहचान बनाई है।



16 साल की उम्र में ही दीपिका पादुकोण ने तय कर लिया था अभिनेत्री बनना

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत और अपने शुरुआती सपनों के बारे में बताया है। आज दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद और सफल अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है। उन्होंने खुलासा किया कि महज 16 साल की उम्र में ही उन्हें यह स्पष्ट हो गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है, फिल्म ट्रिपल एक्स - द रिटर्न ऑफ जेंडर केज से हॉलीवुड में कदम रखने के बाद, वे लोकप्रिय द एलेन डीजेनेरेस शो में भी बतौर मेहमान शामिल हुई थीं। एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब प्रोफेशनल तौर पर खेल को करियर के रूप में देखना आम बात नहीं थी। उस समय अधिकतर लोग डॉक्टर या वकील बनने का सपना देखते थे, लेकिन उनके पिता ने एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो दीपिका ने जवाब दिया कि वे ऐसा करके अपने पिता को खुश कर सकती थीं, लेकिन उनके पिता ने हमेशा यही सीख दी कि अपने दिल की सुनो। अभिनय के प्रति अपने गहरे प्रेम को व्यक्त करते हुए दीपिका ने दोहराया कि 16 साल की कम उम्र में ही उन्हें यह निश्चित रूप से पता चल गया था कि वे एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें असीम खुशी और संतोष देता है। दीपिका ने एलेन को एक प्रेरक घटना भी बताई। उन्होंने कहा कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करवाने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय, युवा दीपिका ने अपनी मां को पूरा भरोसा दिलाया था कि वे न केवल उनके पैसे लौटा देंगी, बल्कि एक दिन उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी। यह घटना उनके दृढ़ निश्चय और अपनी कला के प्रति समर्पण को दर्शाती है। साल 2007 में शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से अपने शानदार करियर की शुरुआत करने के बाद, दीपिका ने भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनकी प्रमुख फिल्मों में ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

साई पल्लवी पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

● छोटे बाल करवाने पर माता-पिता ने दी प्रतिक्रिया

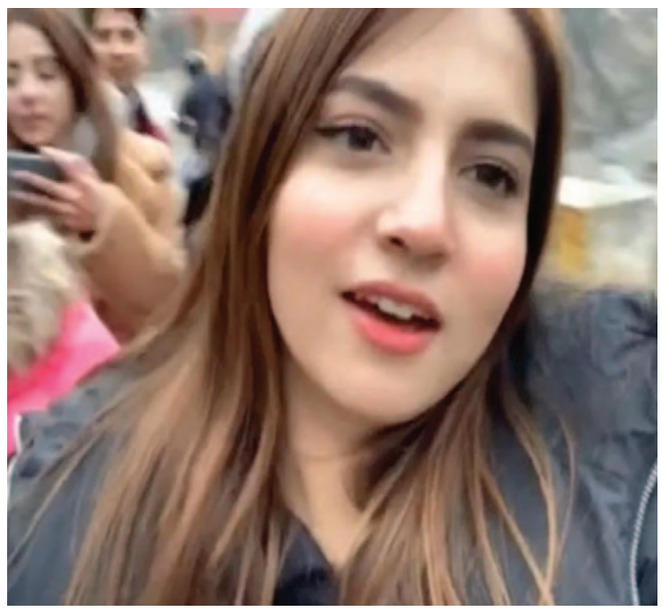
5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम-चैप्टर 1 उधिरम-द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे करवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।

एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

दानानीर मोबीन की तो निकल पड़ी



इंटरनेट पर पार्टी हो रही है वाले वायरल वीडियो से रातोंरात सुर्खियां बटोर कर फिल्मी दुनियां में धमाल करने वाली दानानीर मोबीन ने अब बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि भी हासिल कर ली है। दरअसल पाकिस्तान की सोशल मीडिया स्टार-अभिनेत्री ने मॉस्को में आयोजित दूसरे ओपन यूरेशियन फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का डायमंड बटरफ्लाई अवॉर्ड जीतकर सभी को हैरान कर दिया है। इस बड़ी कामयाबी के लिए न सिर्फ उनके घर-परिवार व करीबी बल्कि पाकिस्तानी और हिंदुस्तानी प्रशंसक भी खासे खुश नजर आए हैं। दानानीर को यह सम्मान उनकी फिल्म मेरा लियारी में शानदार अभिनय के लिए मिला है। इस फिल्म में उन्होंने कराची के एक पिछड़े और बदनाम इलाके की उस मजबूत इरादों वाली लड़की का किरदार निभाया है, जो फुटबॉल खिलाड़ी बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए सामाजिक बाधाओं और दबावों से डटकर मुकाबला करती है।



दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब: रसिका दुग्गल

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 ने अपनी रिलीज का एक साल पूरा कर लिया है। इस खास मौके पर अपनी भावना व्यक्त करते हुए अभिनेत्री रसिका दुग्गल कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है। दिल्ली क्राइम के माध्यम से उन्हें यह जानने का अवसर मिला कि हमारी असल जिंदगी से जुड़ी कहानियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ सकती हैं।

शो को मिले अपार प्यार और सम्मान, जिसमें प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड भी शामिल है, ने उन्हें बहुत हौसला दिया है। उन्होंने तीनों सीजन का हिस्सा बनने और अपने किरदार, पुलिस अधिकारी नीति सिंह को हर सीजन में विकसित होते देखने पर संतोष व्यक्त किया। रसिका ने नीति सिंह के सफर में आए कठिन और पेचीदा मामलों के साथ-साथ उनके निजी जीवन के संघर्षों और भावनात्मक ट्रॉमा को भी खूबसूरती से दर्शाया। उन्होंने पूरी टीम के साथ काम करने के अनुभव को भी बहुत खास बताया और भविष्य में भी उनके साथ काम करने की इच्छा जताई, यह दर्शाता है कि यह सीरीज उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है।

वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 में रसिका दुग्गल ने एक सशक्त पुलिस अधिकारी नीति सिंह की भूमिका निभाई थी। यह सीजन मुख्य रूप से मानव तस्करी और विशेष रूप से महिलाओं व बच्चों की तस्करी से जुड़े एक बड़े और खतरनाक रैकेट पर केंद्रित था। कहानी की शुरुआत असम में एक ट्रक और उससे जुड़े मामलों की गहन छानबीन से होती है, जो बाद में दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों से जुड़े एक व्यापक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश करती है। इसमें खतरनाक विलेन बड़ी दीदी का किरदार निभाने वाली हुमा कुरैशी के अभिनय को भी काफी सराहा गया था। यह सीरीज अपनी भावनात्मक गहराई, पुलिसिया जांच की बारीकियों और सस्पेंस थ्रिलर के रूप में दर्शकों को बांधे रखने में सफल रही है। इसका निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है।

रणबीर, साई पल्लवी और यश का चला जादू

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश अभिनीत रामायण पार्ट-1 बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। 5 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने दूसरे रविवार को करीब 75 करोड़ रुपए की कमाई की, जो बॉलीवुड फिल्मों के लिए दूसरे रविवार की सबसे बड़ी कमाई में शामिल हो गई है। फिल्म की कुल घरेलू नेट कमाई 760 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की खबर है। फिल्म को शुरुआती दौर में दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली थीं। समीक्षकों के एक वर्ग ने इसके भव्य दृश्यांकन, तकनीकी गुणवत्ता और बड़े पैमाने पर तैयार किए गए संसार की सराहना की, जबकि कहानी और चरित्रों की गहराई को लेकर सवाल उठे। पर देखते ही देखते फिल्मी कलाकारों के किरदार और कला का जादू चल ही गया। बड़ी स्टारकास्ट, भारतीय पौराणिक कथा और अत्याधुनिक तकनीक का मेल फिल्म की व्यावसायिक ताकत बना हुआ है।



स्टूडेंट ऑफ द ईयर:आफ्टर डार्क में शनाया को मिला क्षमता को परखने का मौका

अपनी डेब्यू वेब सीरीज स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर ने करियर की शुरुआत में ही डबल रोल निभाने की गहन चुनौतियों पर खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म निर्माता करण जौहर का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने उन्हें इतनी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी में दोहरी भूमिका निभाने का मौका दिया।

शनाया ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ने उन्हें अपनी अभिनय क्षमताओं को गहराई से परखने का अवसर प्रदान किया, हालांकि शूटिंग के दौरान उन्हें कई मुश्किल और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। शनाया का मानना है कि इस अवसर ने उन्हें एक अभिनेत्री के तौर पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच दिया। उन्होंने निर्देशक रीमा सेन का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें रचनात्मक सुझाव साझा करने और अपने किरदार को गढ़ने की पूरी स्वतंत्रता दी। शनाया ने उन मुश्किल एक्शन दृश्यों और पानी के भीतर फिल्माए गए सीन्स के बारे में भी बताया, जिन्हें करना उनकी सोच से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण था।

उन्होंने इन मुश्किल पलों में मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग देने के लिए एक्शन टीम और अंडरवॉटर टीम का हार्दिक धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि शूटिंग के दौरान कुछ दिन शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन थे, लेकिन उनके आसपास मौजूद लोगों के अटूट भरोसे और समर्थन ने ही उन्हें इन चुनौतियों से पार पाने में मदद की। सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें साझा करते हुए शनाया कपूर ने लिखा कि यह शो उनके लिए सब कुछ है, और यह पूरी शानदार, बेहतरीन और कमाल की टीम के बिना मुमकिन नहीं हो पाता। उन्होंने करण जौहर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें इतनी खास फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने का मौका मिला और करियर की शुरुआत में ही डबल रोल से अपनी रेंज दिखाने का अवसर मिला। शनाया ने विश्वास जताया कि वे उन्हें गौरवान्वित कर पाएंगी। उन्होंने एक्शन डायरेक्टर बंटी सर से लेकर सुकेश सर के नेतृत्व वाली टीम तक सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा, आप सभी ने मुझे उन सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जहां तक पहुंचने के बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। कुछ दिन बहुत मुश्किल थे, और अगर आप लोगों को मुझ पर भरोसा न होता, तो मैं इनमें से कुछ भी नहीं कर पाती। सबसे चुनौतीपूर्ण अंडरवॉटर शॉट्स के दौरान आपने मेरा हाथ थामे रखा। धन्यवाद। उन्होंने पूरी क्रू टीम का भी धन्यवाद किया और बताया कि इस सीरीज की शूटिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण था, और हर दिन, हर मिनट और हर सेकंड बहुत अहम था। उन्होंने स्वीकार किया कि सभी के बिना यह मुमकिन नहीं हो पाता। शनाया ने दर्शकों से शो देखने की अपील करते हुए लिखा, कृपया जियोहॉटस्टार पर हमारा शो 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' जरूर देखें। इसे आप लोगों के लिए बहुत मेहनत, खून-पसीना और आंसुओं (सचमुच!) के साथ बनाया गया है। आप सभी को बहुत प्यार।



स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।